आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार

देहरादून (उत्तराखण्ड)

शनिवार 09.08.2025

समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित धराली–हर्षिल क्षेत्र में राहत और बचाव अभियान युद्ध स्तर पर जारी। अबतक 629 लोगों को रेस्क्यू किया गया।
- उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने तत्काल राहत के तौर पर प्रत्येक प्रभावित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की।
- पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने आपदा प्रभावित क्षेत्र में लगी एजेंसियों को बचाव कार्यों में और अधिक सक्रियता लाने के निर्देश दिए। कहा– त्रासदी में लापता लोगों को जल्द तलाशना उनकी प्राथमिकता है।
- प्रदेश सरकार ने आपदा से पहले की तैयारियों और बचाव के लिए समिति का गठन किया।
- भाई–बहन के स्नेह का त्योहार रक्षा बंधन आज देशभर में मनाया जा रहा है।

धराली रेस्क्यू

उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित धराली–हर्षिल क्षेत्र में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियां प्रभावितों को राहत पहुँचाने के साथ ही लापता लोगों की तलाश और बुनियादी सुविधाओं को बहाल करने में जुटी हैं। खोजबीन अभियान के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ थर्मल इमेजिंग, विक्टिम लोकेटिंग कैमरे और खोजी कुत्तों की मदद से मलबे व भारी भरकम पत्थरों के नीचे खोजबीन कर रहे हैं। इस बीच, सेना, NDRF, SDRF, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे तीर्थयात्रियों और स्थानीय नागरिकों का रेस्क्यू अभियान जारी है। अबतक 629 लोगों को रेस्क्यू किया गया। बचाव अभियान के दौरान, आपदा प्रभावित क्षेत्र में फंसे तीर्थयात्रियों ने बताया कि उन्हें सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। तीर्थयात्रियों का कहना है कि सरकार ने उनके ठहरने, भोजन और गंतव्य तक पहुंचाने की सभी व्यवस्थाएँ की हैं। महाराष्ट्र से आये तीर्थयात्रियों ने इसके लिए सेना और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

पत्रकारों से बातचीत में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि मानक के अनुसार, प्रत्येक प्रभावित परिवार को तत्काल राहत के रूप में 5 हजार रुपये की राशि तत्काल प्रदान कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के बाद, जल्द ही आवश्यक राहत भी जारी कर दी जाएगी।

पुलिस महानिदेशक

पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने आपदा प्रभावित हर्षिल–धराली क्षेत्र में राहत और बचाव कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बचाव कार्य में लगी पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन और अन्य आपदा एजेंसियों को बचाव कार्यों में और अधिक सक्रियता लाने के निर्देश दिए। त्रासदी स्थल का निरीक्षण करने के बाद, श्री सेठ ने उत्तरकाशी पुलिस लाइन सभागार में बचाव कार्य में लगे पुलिस अधिकारियों की बैठक ली और बचाव कार्यों की समीक्षा की तथा आपदा प्रबंधन पर चर्चा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि त्रासदी में लापता लोगों को जल्द से जल्द तलाशना उनकी प्राथमिकता है।

पुलिस महानिदेशक ने धराली आपदा को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवा

धराली में आई प्राकृतिक आपदा के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें तेजी से राहत और चिकित्सा सेवा कार्यों में जुट गई हैं। प्रभावितों को प्राथमिक उपचार से लेकर विशेषज्ञ चिकित्सा सहायता तक हर संभव सुविधा प्रदान की जा रही है। विभाग की टीमें धराली से लेकर गंगोत्री और चिन्यालीसौड़ तक हर जगह तैनात हैं और बिना रुके राहत कार्यों में लगी हुई है।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टर, एम्बुलेंस और दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। प्रत्येक रेस्क्यू यात्री की स्वास्थ्य जांच की जा रही है और आवश्यक उपचार तत्काल दिया जा रहा है। आपदा राहत कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यक स्वास्थ्य संसाधनों की समुचित व्यवस्था की है।

राज्य नोडल अधिकारी डॉ बिमलेश जोशी ने बताया कि आपदा राहत कार्यों के लिए विभिन्न स्थानों पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीमें तैनात की गई हैं।

समिति गठित

उत्तरकाशी के धराली, हर्षिल की आपदा के बाद सरकार अब आपदा से पहले बचाव की तैयारियों पर फोकस बढ़ाएगी। आईटी के सचिव नितेश झा ने इसके लिए वैज्ञानिकों की समिति गठित की है, जिसमें आईआईआरएस– इसरो, वाडिया, मौसम विज्ञान विभाग समेत कई संस्थानों के वैज्ञानिकों को शामिल किया गया है।

उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट देगी। उधर धराली में आई आपदा को लेकर वाडिया संस्थान ने अध्ययन शुरू कर दिया है और सेटेलाइट इमेज के माध्यम से आपदा के कारणों को जानने का प्रयास किया जा रहा है।

रक्षाबंधन

भाई–बहन के स्नेह का त्योहार रक्षा बंधन आज देशभर में मनाया जा रहा है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बाँधती हैं और उनकी दीर्घायु की कामना करती हैं।

राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में बाजारों में रक्षा बंधन को लेकर रौनक बनी हुई है। मिठाई और राखियों की दुकानों पर खरीदारी के लिए लोगों की भीड जुटी है। ज्योतिषियों के मुताबिक इस बार राखी पर भद्रा का साया भी नहीं रहेगा और यह दुलर्भ संयोग कई वर्षों के बाद बन रहा है।

राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का पावन पर्व भाई–बहन के आपसी स्नेह, विश्वास और कर्त्तव्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध, सांस्कृतिक परम्पराओं से जुड़े इस पर्व का ऐतिहासिक महत्व भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व सामाजिक सद्भाव के साथ ही महिलाओं के प्रति आदर और सुरक्षा की भावना को भी सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति सरकार का प्रयास निरन्तर जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को उत्तराखण्ड परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा भी प्रदान की गई है।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर––

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाये गए आरोपों को सभी समाचार पत्रों ने सचित्र प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

दैनिक जागरण लिखता – राहुल गांधी को आयोग की चुनौती शपथ पत्र दें या देश से माफी मांगे। इस खबर पर राष्ट्रीय सहारा का शीर्षक है– आरोप सही तो घोषणा पत्र पर करें हस्ताक्षर।

उत्तरकाशी जिले के धराली में आई आपदा पर अमर उजाला का शीर्षक है– अत्याधुनिक मशीनों से जिंदगी की तलाश।

हिन्दुस्तान समाचार पत्र ने शीर्षक दिया है– धराली में बंधी जीवन की डोर, बिजली पानी और संचार शुरू।

दैनिक जागरण लिखता है– प्रतिकूल मौसम के बीच धराली क्षेत्र से 275 लोगों को निकाला।